INDIA NON JUDICIAL

Government of Uttar Pradesh

e-Stamp

IN-UP74483159817544W

Name ACC - Sunil Chaturv...
ACC Code - UP14103604
Licence No - 19/2013-2014
Teh & Distt. - MATHURA

W 329
2024

Certificate No.	:	IN-UP74483159817544W
Certificate Issued Date	:	25-Nov-2024 12:31 PM
Account Reference	:	NEWIMPACC (SV)/ up14103604/ MATHURA/ UP-MTH
Unique Doc. Reference	:	SUBIN-UPUP1410360445734172776470W
Purchased by	:	VRINDAVAN KUNJ GALI SEWA TRUST
Description of Document	:	Article 64 (A) Trust - Declaration of
Property Description	:	Not Applicable
Consideration Price (Rs.)	:	
First Party	:	VRINDAVAN KUNJ GALI SEWA TRUST
Second Party	:	Not Applicable
Stamp Duty Paid By	:	VRINDAVAN KUNJ GALI SEWA TRUST
Stamp Duty Amount(Rs.)	:	750 (Seven Hundred And Fifty only)

Please write or type below this line

वृन्दावन कुंज गली सेवा ट्रस्ट
अध्य...

QE 0015473153

Statutory Alert:
1. The authenticity of this Stamp certificate should be verified at www.shcilestamp.com or using e-Stamp Mobile App of Stock Holding. Any discrepancy in the details on this Certificate and as available on the website / Mobile App renders it invalid.
2. The onus of checking the legitimacy is on the users of the certificate.
3. In case of any discrepancy please inform the Competent Authority.

।। जय श्री राधे।। ।। जय श्री कृष्णा।।

यह ट्रस्ट डीड आज दिनांक 25.11.2024 व दिन : सोमवार को ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री विकास कुमार शर्मा पुत्र श्री जयकिशन शर्मा निवासी – कृष्णा 5डी —002, ग्राउंड फ्लोर, ओमेक्स एटरनिटी, वृन्दावन, मथुरा, उत्तर प्रदेश —281121 ।

मैं कि श्री विकास कुमार शर्मा जो कि ट्रस्ट का अध्यक्ष हूँ अपना सम्पूर्ण जीवन धार्मिक, सामाजिक परमार्थिक कार्यो में व्यतीत करता आ रहा हूँ सो मैं सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय एक प्राईवेट ट्रस्ट का गठन करना चाहता हूँ।

अतः मैं इस लेखपत्र द्वारा खूब सोच समझकर तथा स्वस्थ्य मस्तिष्क से निम्नवत ट्रस्ट की स्थापना मात्र 5100/– रूपये से कर रहा हूँ तथा इस ट्रस्ट डीड के ट्रस्टियों को यह धनराशि इस ट्रस्ट के उद्देश्य की पूर्ति हेतु प्रदान करता हूँ। इस ट्रस्ट के माध्यम से बृज क्षेत्र के साथ–साथ राष्ट्रीय एंव अन्तराष्ट्रीय स्तर पर धार्मिक, सामाजिक, परमार्थिक, शैक्षणिक एंव उच्चस्तरीय कियाकलापों का संचालन व अन्य मानव कल्याणार्थ कार्य किए जायेंगे ।

ट्रस्ट का नामः– वृन्दावन कुंज गली सेवा ट्रस्ट

ट्रस्ट का कार्यक्षेत्रः– सम्पूर्ण भारत वर्ष एंव विश्व में होगा ।

ट्रस्ट का पंजीकृत कार्यालय- कृष्णा 7इ —002, ओमेक्स एटरनिटी, वृन्दावन, मथुरा, उत्तर प्रदेश —281121। मो0– 7827428247।

लेखक ने स्पष्ट रूप से घोषित किया है कि यह ट्रस्ट अपरिवर्तनीय है और भविष्य में अपरिवर्तनीय रहेगी ट्रस्ट की संपत्ति अथवा संपत्ति का कोई भी हिस्सा ट्रस्टियों को हस्तांतरित नहीं किया जाएगा ।

वृन्दावन कुंज गली सेवा ट्रस्ट
अध्यक्ष

ट्रस्ट के उद्देश्यः

1—भागवत धर्म व संस्कृति की रक्षा करना व प्रचार करना ।

2—गऊ हत्या पर अकुंश व गौवंश की रक्षा करना ।

3—गरीब एंव असहाय बच्चों की शिक्षा हेतु सहायता करना ।

4—गरीब एंव असहाय लोंगो के चिकित्सालय में उपचार हेतु सहायता करना ।

5—समाज में जरूरत पढने पर समय—समय पर समाजिक सहयोग करना ।

6—कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह, व बाल मजदूरी पर अंकुश लगाना एवं समाज को जागरूक बनाना महिलाओं पर हो रहे उत्पीडन पर अंकुश लगाना ।

7— पीड़ित व्यक्तियों की हर सम्भव मदद करना व समाज के असहाय लोगों को कानूनी मदद दिलाने का प्रयास करना ।

8— पर्यावरण संरक्षण करना व प्रदूषण को रोकने का प्रयास करना । स्वच्छता अभियान चलाना ।

9— समाज के गरीब बच्चों के लिए शिक्षा का अधिकार व कौशल विकास अधिकारी योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु प्रयास करना विद्यालय की सेवा प्रदान कराना ।

10— दुर्घटनाओं प्राकृतिक, विपदाओ एवं सामाजिक, विपदाओं में लोगों को शिविर लगाकर असहाय लोगों की मदद करना ।

11— बेरोजगारों को रोजगार दिलाना ।

12— अस्पताल खुलवाना या सेवा प्रदान करना ।

13—गरीब एंव असहाय लोंगो के लिये अन्नक्षेत्र की व्यवस्था करना ।

14—सामाजिक एंव मानवता के हित में कार्य करना ।

15— निःशुल्क रोगी चिकित्सालयों की स्थापना करना।

16—शिक्षा प्रसार के लिए विद्यालयों की स्थापना करना।

17—ब्रज के सभी तीर्थ स्थलों का विकास करना ।

18—श्री यमुना जी की आरती सेवा एवं प्रदूषण से मुक्ति के लिए संघर्ष करना ।

19—ब्रज में निवास कर भजन भक्ति करने वाले साधु संत एवं भक्तों के लिए भोजन प्रसादी एवं वस्त्र व्यवस्था करना ।

20—श्री यमुना जी को प्रदूषण से मुक्ति दिलाना ।

21—श्री यमुना जी के घाटों का विकास करना ।

कुंज गली सेवा ट्रस्ट
अध्यक्ष

आवेदन सं०: 202400764073123

न्यास पत्र

वही स०: 4	**रजिस्ट्रेशन स०: 329**	**वर्ष: 2024**

प्रतिफल- 5100 स्टाम्प शुल्क- 750 बाजारी मूल्य - 0 पंजीकरण शुल्क - 120 प्रतिलिपिकरण शुल्क - 80 योग : 200

श्री विकास कुमार शर्मा ,
पुत्र श्री जयकिशन शर्मा
व्यवसाय : अन्य
निवासी: कृष्णा 5डी–002 ग्राउंड फ्लोर ओमेक्स एटरनिटी वृन्दावन मथुरा

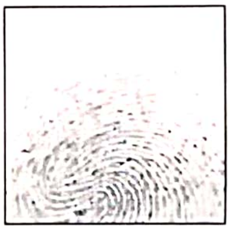

ने यह लेखपत्र इस कार्यालय में दिनाँक 25/11/2024 एवं 02:22:39 PM बजे निबंधन हेतु पेश किया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

राधा रमण प्रभारी
उप निबंधक :सदर द्वितीय
मथुरा
25/11/2024

अमर नाथ उपाध्याय
निबंधक लिपिक
25/11/2024

सदस्यताः— निम्नलिखित योग्यता रखने वाले व्यक्ति प्रबंध कार्यकारिणी के विवेकाधिकार पर ट्रस्ट के सदस्य बन सकेंगे।

1— 18 साल का आयु का कोई भी सनातन धर्मावलम्बी, श्रृद्धालू बिना किसी लिंग/जाति के भेदभाव के इस ट्रस्ट का सदस्य हो सकता है ।

2—पागल या दिवालिया न हों ।

3— इस ट्रस्ट के उद्‌देश्य पर आस्था व रूचि रखता हों ।

4— इस ट्रस्ट के उद्‌देश्य को सर्वोपरि समझता हों ।

5 सदस्यों का वर्गीकरण :— सदस्य निम्न प्रकार वर्गीकृत होगें ।

1— प्रवन्धकीय सदस्य।

2— आजीवन सदस्य।

3— साधारण सदस्य।

ट्रस्ट के विधान में परिवर्तन :—

ट्र स्ट के विधान में आवश्यकतानुसारपरिवर्तन एवं संशोधन अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा ।

ट्रस्ट के लेखा जोखा का निरीक्षण —

ट्रस्ट द्वारा नामित चार्टेड एकाउटेन्ट से कराया जायेगा और उनके द्वारा दिये गये सुझावों की पूर्ति की जायेगी ।

ट्रस्ट की सम्पत्ति :— यह 5100/— रूपये से कायम किया जा रहा है वर्तमान मे ट्रस्ट के पास कोई चल अचल सम्पत्ति नहीं है तथा वर्तमान सदस्य द्वारा प्रदत्त अंशदान :—चुंकि ट्रस्ट आय को स्थायी स्त्रोत नहीं है अतः ट्रस्ट के सदस्य निम्न वार्षिक अंशदान देगें जिससे ट्रस्ट के विधान निहित उद्‌देश्यों को कार्यान्वित करने में सहायता मिलेगी ।

वे प्रन्यासी, सदस्य जो सरकार द्वारा सम्मानित एवं उपाधि प्राप्त (विद्वान, इंजीनियर, डाक्टर, सी.ए. एडवोकेट जन प्रतिनिधि) जिनकी इस ट्रस्ट को आवश्यकता है ऐसे सज्जन विशि ाष्ट सदस्य कहलायेगें तथा वह वार्षिक अंशदान से मुक्त होगें । उनके द्वारा स्वेच्छा से दिया गया सहयोग चंदा, दान, ट्रस्ट को स्वीकार होगा तथा वह कार्यकारिणी के चुनाव में मत व भाग लेने के लिए अधिकृत नहीं होगें ।

सदस्यता से निष्कासित :— ट्रस्ट के सदस्यों का निष्काषन अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा ।

वृन्दावन कुंज गली सेवा ट्रस्ट
अध्यक्ष

आवेदन सं०: 202400764073123

बही स०: 4 रजिस्ट्रेशन स०: 329 वर्ष: 2024

निष्पादन लेखपत्र वाद सुनने व समझने मजमुन व प्राप्त धनराशि रु प्रतेखानुसार उक्त
न्यासी: 1

श्री विकास कुमार शर्मा, पुत्र श्री जयकिशन शर्मा

निवासी: कृष्णा 5डी–002 ग्राउंड फ्लोर ओमेक्स एटरनिटी वृन्दावन मथुरा

व्यवसाय: अन्य

ने निष्पादन स्वीकार किया । जिनकी पहचान
पहचानकर्ता : 1

श्री तरूण कुमार शाह , पुत्र श्री माखन लाल शाह

निवासी: नतून पारा तेजपुर सोनित पुर तेजपुर आसाम

व्यवसाय: अन्य

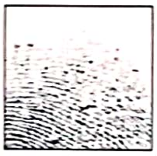

पहचानकर्ता : 2

श्री ललित मोहन शर्मा , पुत्र श्री भीकचन्द शर्मा

निवासी: रूकमणि बिहार मथुरा

व्यवसाय: अन्य

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

ने की । प्रत्यक्षत:भद्र साक्षियों के निशान अंगूठे नियमानुसार लिए गए है ।
टिप्पणी :

राधा रमण प्रभारी
उप निबंधक : सदर द्वितीय
मथुरा
25/11/2024

अमर नाथ उपाध्याय
निबंधक लिपिक मथुरा
25/11/2024

:— (आजीवन सदस्य एंव साधारण सदस्यो की प्रबन्धकीय कार्यकारिणी समिति में कोई भूमिका नही होगी उक्त दोनों प्रकार के सदस्य केवल ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कार्य करेंगे)

1— मृत्यु होने पर

2— त्याग पत्र देने पर।

3— ट्रस्ट के उद्देश्यो के विपरीत कार्य करने पर ।

4— लगातार ट्रस्ट की 3 मीटिंग में अनुपस्थित रहने पर ।

5— प्रबंध कार्यकारिणी द्वारा दोषी पाये जाने पर ।

6— वार्षिक अंशदान की अदायगी 03 माह के अन्दर न करने पर ।

प्रबंध कार्यकारिणी का गठन :—

ट्रस्ट के कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए प्रबंध कार्यकारिणी के सदस्य निम्न हैं :—

1— श्री विकास कुमार शर्मा पुत्र श्री जयकिशन शर्मा निवासी — कृष्णा 5डी —002, ग्राउंड फ्लोर, ओमेक्स एटरनिटी, वृन्दावन, मथुरा, उत्तर प्रदेश —281121—अध्यक्ष ।

2— श्रीमती संगीता वाइफ ऑफ मुकेश शर्मा निवासी — 69, सादिकपुर, हापुड़, हापुड़, उत्तर प्रदेश —245101 — उपाध्यक्ष ।

3— श्रीमती प्रीती शर्मा वाइफ ऑफ विकास शर्मा निवासी — आर जेड 17—बी, एस वी आई बैंक के पास, आनंद विहार, नंगली सक्रावती, दक्षिण पश्चिमी दिल्ली —110043 — सचिव ।

4— श्री प्रतीक सोनिक पुत्र श्री मुकेश कुमार शर्मा निवासी — सादिकपुर, हापुड, उत्तर प्रदेश — 245101— कोषाध्यक्ष ।

प्रबंध कार्यकारिणी में पदाधिकारी की संख्या कम से कम 4 व अधिक से अधिक 11 व सदस्यों की संख्या प्रबन्धकारिणी द्वारा आवश्यकतानुसार बढायी जा सकती है ।

वृन्दावन कुंज गली सेवा ट्रस्ट
अध्यक्ष

बैंकिग संचालन ट्रस्ट के समस्त बैं क सम्बधी कार्यो (जैसे खाता खुलवाना एंव सभी लेन–देन) का संचालन अध्यक्ष व सचिव दोनों में से किसी एक के द्वारा किया जा सकता है।

प्रबंध कार्यकारिणी का निर्वाचन :–

ट्रस्ट की प्रबंध कार्यकारिणी का चुनाव 05 वर्ष की अवधि के लिए आजीवन सदस्यों में से चुनाव किया जायेगा ।

प्रबंध कार्यकारिणी के अधिकार :–

ट्रस्ट के प्रबंध कार्यकारिणी अधिकार एंव कर्तव्य :–

1– अध्यक्ष की सहमति सदस्य बनना/निष्कासित करना ।

2– वार्षिक बजट तैयार करना ।

3– ट्रस्ट की सम्पत्ति की सुरक्षा व व्यवथा करना ।

4– सेवा, पुजा अन्य कार्य हेतु वेतनिक कर्मचारियों की नियुक्ति करना व उन्हें हटाना।

5–कार्य व्यवस्था हेतु उपसमितियॉ बनाना ।

6–अन्य कार्य जो हितार्थ हो करना ।

7–शिक्षण संस्थाओं का कार्य का संचालन एवं संचालन हेतु उपसमितियॉ बनाकर संचालन करवाना ।

8–ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति करना एवं कार्यन्वित करना ।

9–ट्रस्ट द्वारा संचालित शिक्षण व अन्य सभी प्रकार की संस्थाओं में चेयरमैन/अध्यक्ष व सचिव/प्रबंधक एवं डायरेक्टर/निदेशक आजीवन ट्रस्ट में से ही नामित किये जा सकेगें ।

10– ट्रस्ट की कोई भी सम्पत्ति को खरीदने व बेचने का निर्णय अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा ।

11– ट्रस्ट व ट्रस्ट द्वारा संचालित संस्थाओं की आवश्यकता होने पर देश में कहीं भी प्रशासनिक कार्यालय खोल सकेंगे ।

वृन्दायन कुंज गली सेवा ट्रस्ट

अध्यक्ष

प्रबंध कार्यकारिणी बैठक :–

1– प्रबंधक कार्यकारिणी की कम से कम तीन बैठकें अनिवार्य होगी लेकिन आवश्यकता पडने पर बैठक मुख्य प्रयासी अध्यक्ष/उपाध्यक्ष द्वारा कभी भी बुलाई जा सकेगी ।

2– बैठक का कोरम प्रबंधक कार्यकारिणी की कुल संख्या के आधे से अधिक का होगा ।

3– बैठक की सुचना प्रायः 7 दिन पूर्व व आत्यावश्कता बैठक की सुचना परिचालन से कम समय पर भी दी जा सकती है ।

4– कोरम के अभाव में बैठक स्थगित की जा सकेगी जो पुनः दूसरे दिन निर्धारित स्थान व समय पर होगी ऐसी स्थगित बैठक में कोरम की कोइ आवश्यकता नहीं होगी लेकिन विचारणीय विषय वही होगें जो पुर्व एजेन्डा में थे । ऐसी स्थगित बैठक में उपस्थित सदस्यों के अतिरिक्त प्रबंध कार्यकारिणी के कम से कम तीन पदाधिकारी की उपस्थिति अनिवार्य होगी । इस सभा की कार्यवाही की पुष्टि आगामी आम सभा में अनिवार्य होगी ।

प्रबंध कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के अधिकार एवं कर्तव्य :–

अध्यक्ष :–

ट्रस्ट का अध्यक्ष सर्वोपरी होगा तथा उसको ट्रस्ट की वावत समस्त कार्य करने, पदाधिकारी नियुक्ति करने, निष्कासित करने व ट्रस्ट के उद्देश्यों की पुर्ति हेतु समस्त हितकर कार्य करने आदि का पूर्ण अधिकार होगा ।

1– बैठक की अध्यक्षता करना ।

2– बैठक में बराबर मत आने निर्णायक मत देना ।

3–बैठक का संचालन करना ।

4– ट्रस्ट के समस्त बैं क सम्बधी काय (जैसे खाता खुलवाना एंव सभी लेन–देन) संचालन अध्यक्ष के द्वारा किया जायेगा।

5– संविदा व अन्य दस्तवेजो पर हस्ताक्षर करना।

6–ट्रस्ट द्वारा संचालित संस्थाओ हेतु सदस्य/प्रधानाचार्य/प्रचार्य/डीन व कर्मचारी आदि की नियुक्ती करना।

7– ट्रस्ट के अध्यक्ष को ट्रस्ट एवं ट्रस्ट द्वारा संचालित संस्थाओं में वेतन पर कर्मचारी रखने का अधिकार होगा ।

8– ट्रस्ट के उद्देश्यों व प्रबंध कार्यकारिणी के द्वारा प्रद्रत्त अधिकारों का उपयोग व सहयोग करना ।

वृन्दावन कुंज गली सेवा ट्रस्ट
अध्यक्ष

9–ट्रस्ट के लिए सम्पत्ति कय करना, विक्रय करना ऋण लेना व श्रम देना आवश्यकता पड़ने पर ट्रस्ट की सम्पत्ति को बंधक रखना तथा किराया/लीज पर लेना व देना ये सब अधिकार ट्रस्ट के अध्यक्ष के पास रहेंगे।

उपाध्यक्ष के अधिकार :–

1– अध्यक्ष की अनुपस्थिति में बैठको की अध्यक्षता करना ।

2– अध्यक्ष की अनुपस्थिति में अध्यक्ष, द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करना एवं सहयोग देना ।

सचिव के अधिकार :–

1– ट्रस्ट की बैठक आहुत करना ।

2– ट्रस्ट की कार्यवाही लिखना व रिकॉर्ड रखना ।

3–आय–व्यय पर नियंत्रण करना ।

4– वैतनिक कर्मचारियों पर नियंत्रण करना तथा उसके वेतन पास करना ।

5– ट्रस्ट के कार्य हेतु आने जाने के यात्रा बिल पास करना ।

6– सम्पत्ति की सुरक्षा हेतु वेधनिक जो अन्य कार्य आवश्यक हो करना ।

7– ट्रस्ट व ट्रस्ट द्वारा संचालित संस्थाओं में आवश्यक होने पर न्यायालय हेतु एडवोकेट आदि नियुक्ति करना ।

कोषाध्यक्ष के अधिकार एवं कर्त्तव्य :-

1.कोषाध्यक्ष ट्रस्ट/न्यास के आय व्यय का लेखा जोखा रखेंगे ,आवश्यकता से अधिक धन राशि होने पर बैंक में जमा करवाएंगे|

2.ट्रस्ट/न्यास के बैंक खातों के सञ्चालन में अध्यक्ष को सहयोग करेंगे|फिजूल खर्ची व मितव्ययता के बारे में कार्यकारिणी में व अध्यक्ष के सामने अपनी राय रखेंगे|

3.आवश्यकतानुसार ट्रस्ट की लेखा पुस्तकों को बनाने का कार्य कोषाध्यक्ष द्वारा अन्य अकाउंटेंट को दिया जा सकता है|ऐसी स्थिति में कोषाध्यक्ष को ट्रस्ट के लेखा पुस्तकों की ऑडिट का अधिकार होगा|लेखा पुस्तकों की ऑडिट का कार्य कोषाध्यक्ष व अध्यक्ष की राय के अनुसार बाह्य(EXTERNAL)ऑडिटर को भी सौंपा जा सकता है|

4.कोषाध्यक्ष यह भी सुनिश्चित करेगा की वित्त की कोई कमी न हो. उसका यह भी काम होता है की वह यह भी बता सके की भविष्य में कितने व्यय की आवश्यकता होगी|

5.समिति की समस्त प्राप्तियो की रसीदों को देना और व्यय की गई राशी के बिल, रसीद, वाउचर आदि को प्राप्त करके उनका हिसाब रखना|

वृन्दावन कुंज गली सेवा ट्रस्ट

अध्यक्ष

ट्रस्ट का कोषः– ट्रस्ट का कोष निम्न प्रकार से संचित होगा ।

1– चंन्दा

2– शुल्क

3– अनुदान/अंशदान

4– सहायता ।

उक्त प्रकार से संचित राशि ट्रस्ट द्वारा निश्चित किये गये किसी बैंक अथवा पोस्ट ऑफिस के खाते में सुरक्षित की जायेगी ।

ट्रस्ट का अंकेक्षण :– ट्रस्ट के समस्त लेखा पुस्तकों को अंकेक्षण वार्षिक कराया जायेगा । अंकेक्षण की नि ।युक्ति ट्रस्ट केअध्यक्ष द्वारा की जायेगी ।

ट्रस्ट की औसत आय :– ट्रस्ट की औसत आय का कोई स्त्रोत नहीं है सदस्यों द्वारा लगभग 100/–रूपये मासिक चन्दा लिया जायेगा, जिससे ट्रस्ट के आवश्यक खर्चे किये जायेगें ।

ट्रस्ट का विघटन :–

ट्रस्ट का विघटन अध्यक्ष द्वारा प्रस्ताव पास करके किया जा सकता है । ट्रस्ट के विघटन होने पर कोई भी ट्रस्टी व्यक्तिगत रूप से इस ट्रस्ट के लेन–देन के लिए उत्तरदायी नहीं होगा । अध्यक्ष पद वंश परम्परा में चलायमान होगा व वंश परमपरा की अनुपस्थिति में अध्यक्ष पद का चयन समस्त ट्रस्ट की सहमति से होगा।

इस ट्रस्ट की योजनाऐं भविष्य के लिए हैं ।

ट्रस्ट के पास वर्तमान में 5100/–रूपये की चल सम्पत्ति हैं इसके अलावा अन्य कोई चल–अचल सम्पत्ति ट्रस्ट के पास नहीं है । तथा ट्रस्ट का कार्यालय भी ट्रस्ट की सम्पत्ति नहीं है।

ट्रस्ट के मैन्डेट और उदेश्यों के विरूद्व विचार रखने वाले नागरिकों को ट्रस्ट की सदस्यता प्राप्त करने का अधिकार नहीं होगा । यदि ट्रस्ट के उद्देश्यों के विपरीत विचारधारा रखने वाले नागरिक जोड–तोड करके अथवा गुमराह करके छल से ट्रस्ट की किसी भी यूनिट में सदस्यता प्राप्त कर लेते हैं और ट्रस्ट की आड में अवैध गतिविधियों में संल्प्ति पाये जाते है, तो उनके विरूध भा0द0वि0 की धारा 120–बी, 295–ए, 311 व 418 आदि के अर्न्तगत विधिक कार्यवाही संस्थित की जा सकती है ट्रस्ट की गतिविधियों के अतिरिक्त ट्रस्ट के सदस्यों के व्यक्तिगत कियाकलापों से ट्रस्ट के पदाधिकारियों का कोई सम्बन्ध नहीं माना जायेगा ।

वृन्दावन कुंज गली सेवा ट्रस्ट

अध्यक्ष

अतः यह ट्रस्ट डीड आज निम्नलिखित गवाहों के समक्ष इस ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष हैं, ने खूब सोच समझकर, स्वतंत्र सहमति से बिना किसी दबाव के तहरीर कर व मुकाम मथुरा निष्पादित कर पंजीकृत करा दी ताकि सनद रहे, समय पर काम आये ।

यह प्रलेख मुकिर के निर्देशानुसार उन्हें पढाकर, सुनाकर व दिखाकर ड्राफ्ट व टाईप किया गया है ।

वृन्दावन कुंज गली सेवा ट्रस्ट
अध्यक्ष

दिनांक : 25.11.2024

टाईप किया— कुश सक्सेना।

ड्राफ्ट किया—गिरीश एडवोकेट दस्तावेज लेखक, मथुरा

1—गवाह— तरुण कुमार शाह पुत्र श्री माखन लाल शाह निवासी— नतून पारा, तेजपुर, तेजपुर, नतून पारा, तेजपुर, तेजपुर सोनित पुर, तेजपुर, आसाम—784001 मोबाइल नंबर— 7302466428।

2—गवाह—श्री ललित मोहन शर्मा पुत्र श्री भीकचन्द शर्मा निवासी— रूकमणि विहार— 281001 मथुरा मोबाइल नंबर— 7017960640 ।

आवेदन सं०: 202400764073123

बही संख्या 4 जिल्द संख्या 239 के पृष्ठ 367 से 388 तक क्रमांक 329 पर दिनाँक 25/11/2024 को रजिस्ट्रीकृत किया गया ।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर

राधा रमण प्रभारी
उप निबंधक : सदर द्वितीय
मथुरा
25/11/2024